Seat No. : _____

AR-122

May-2016

M.A., Sem.-II

408 : Hindi (Kavya Shastra)

समीक्षा संबंधी विविधवाद

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : **सभी** प्रश्नों के **(क) भाग** के उत्तर **500 – 600** शब्दों में तथा **(ख) भाग** के उत्तर **100** शब्दों में लिखिए ।

1. (क) स्वच्छंदतावाद के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

स्वच्छंदतावाद की विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) स्वच्छंदतावाद के स्वरूप को समझाइए । **4**

अथवा

स्वच्छंदतावाद का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव ।

2. (क) अस्तित्ववाद का इतिहास स्पष्ट कीजिए । **10**

अथवा

अस्तित्ववाद की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) अस्तित्ववाद का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव । **4**

अथवा

अस्तित्ववाद का दार्शनिक आधार ।

3. (क) यथार्थवाद के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

यथार्थवादी आंदोलन के विकास के प्रमुख आयाम की चर्चा कीजिए ।

(ख) यथार्थवादी साहित्य चिंतन **4**

अथवा

यथार्थवाद का संक्षिप्त इतिहास

4. (क) विखंडनवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । **10**

अथवा

संरचनावाद के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

(ख) स्त्रीवादी पाठ **4**

अथवा

भाषायी रणनीति

5. सूचनानुसार कीजिए : **14**

निर्देश : निम्नलिखित विधान सही (✓) या गलत (✗) हैं बताइए :

(1) वड्र्सवर्थ और कॉलरिज स्वच्छंदतावादी कवि नहीं हैं ।

(2) अस्तित्ववाद शब्द जर्मन शब्द इक्सिटेन्स (Existence) फिलोसफी का अनुवाद है ।

(3) नीत्से अनीश्वरवादी थे ।

(4) परम्परा का विरोध स्वच्छंदतावाद की पहली महत्त्वपूर्ण विशेषता है ।

(5) कुंवर नारायण की आत्मजयी अस्तित्ववादी कृति नहीं है ।

(6) यथार्थवादी आंदोलन सर्वप्रथम फ्रान्स में आरंभ हुआ ।

(7) उत्तर संरचनावाद ने स्त्री पाठ पर बल नहीं दिया है ।

निर्देश : योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(8) यथार्थवाद _____ की आधार भूमि पर खड़ा किया हुआ जीवन का जीवन्त चित्र है ।
(आदर्श, यथार्थ, अतियथार्थ, छायावाद)

(9) लिरिकल बैलेड्स का प्रकाशन सन् _____ में हुआ । (1780, 1779, 1778, 1777)

(10) _____ फ्लोबैर का प्रथम यथार्थवादी उपन्यास है ।
(गोदान, मदाम बोवारी, स्पीच एण्ड फिनोमिना, यर्मिनी कासंता)

(11) वोटइज लिटरेचर समीक्षा ग्रंथ के लेखक _____ हैं ।
(मार्टिन हेड़गर, अल्बर्ट कामू, ज्याँपाल सात्र, नीत्से)

(12) लेखक की मृत्यु _____ का एक चर्चित लेख है ।
(देरिंदा, रोलाँबाथ, सस्सूर, जेस्पर्स)

(13) आधुनिक अस्तित्ववादी दर्शन के आदि स्रोत _____ थे ।
(नीत्से, होगेल, कीर्केगार्ड, मार्टिन हेडगर)

(14) हिन्दी में _____ के उपन्यास कुरु कुरु स्वाहा में उत्तर-आधुनिकता की अनुगूंज सुनाई देती है ।
(इलाचन्द्र जोशी, मनोहर जोशी, अज्ञेय, जैनेन्द्र)